



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3387]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 11, 2017/अग्रहायण 20, 1939

No. 3387]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 11, 2017/AGRAHAYANA 20, 1939

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 2017

का.आ. 3861(अ).—जबकि, केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण अधिनियम, 2008 (2008 का 34) (जिसे इसके बाद उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 11 की उप-धारा (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की धारा 11 की उप-धारा (1) के प्रयोजनार्थ विजयवाड़ा-सह-मेट्रोपोलिटन सत्र न्यायाधीश, विजयवाड़ा स्थित द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कृष्णा के न्यायालय को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित 27 जुलाई, 2016 की अधिसूचना संख्या का.आ. 2556(अ) के तहत विशेष न्यायालय के रूप में अधिसूचित किया था, जिसका क्षेत्राधिकार अनुसूचित अपराधों के विचारण के लिए संपूर्ण आंध्र प्रदेश राज्य था;

2. और जबकि, श्री आर. निरंजन, विजयवाड़ा-सह-मेट्रोपोलिटन सत्र न्यायाधीश, विजयवाड़ा स्थित द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कृष्णा को, जिन्हें भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित दिनांक 27 जुलाई, 2016 की अधिसूचना संख्या का. आ. 2556 (अ.) के तहत उक्त विशेष न्यायालय की अध्यक्षता करने के लिए न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था, का स्थानान्तरण कर दिया गया है;

3. अतः अब, केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण अधिनियम, 2008 (2008 का 34) की धारा-11 की उप धारा (3) के अंतर्गत प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा दिनांक 27 जुलाई, 2016 की अधिसूचना संख्या का.आ. 2556(अ) का अधिक्रमण करते हुए, सिवाय उन कार्यों के जिन्हें ऐसे अधिक्रमण के पूर्व सम्पादित कर लिया गया है अथवा करने से लोप कर दिया गया है, हैदराबाद स्थित न्याय व्यवस्था के उच्च न्यायालय के माननीय कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश पर श्री ए. वी. रविन्द्र बाबू, मेट्रोपोलिटन सत्र-न्यायाधीश, विजयवाड़ा को एतद्वारा, उक्त विशेष न्यायालय की अध्यक्षता करने के लिए न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 17011/50/2009-आई एस-IV (भाग-V)]

प्रवीण वशिष्ठ, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS**NOTIFICATION**

New Delhi, the 11th December, 2017

S.O. 3861(E).—Whereas, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 11 of the National Investigation Act, 2008 (34 of 2008) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government had, *vide* notification number S.O. 2556 (E) dated the 27th July, 2016, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), notified the Court of II Additional District and Sessions Judge, Krishna at Vijayawada-cum-Metropolitan Sessions Judge, Vijayawada as the Special Court for the purposes of sub-section (1) of section 11 of the said Act having jurisdiction throughout the State of Andhra Pradesh for the trial of Scheduled Offences;

And whereas, Shri R. Niranjana, II Additional District and Sessions Judge, Krishna at Vijayawada-cum-Metropolitan Sessions Judge, Vijayawada, who was appointed as the Judge to preside over the said Special Court *vide* notification number S.O. 2556 (E) dated the 27th July, 2016, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), has been transferred;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 11 of the National Investigation Act, 2008 (34 of 2008) and in supersession of the notification number S.O. 2556 (E), dated the 27th July, 2016, except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, on the recommendation of the Hon'ble Acting Chief Justice, High Court of Judicature at Hyderabad, hereby appoints Shri A.V. Ravindra Babu, Metropolitan Sessions Judge, Vijayawada, as the Judge to preside over the said Special Court.

[F. No. 17011/50/2009/IS-IV (Part-V)]

PRAVEEN VASHISTA, Jt. Secy.